(ख) फिलहाल, राज्य सरकार द्वारा नक्शों, अनुमानों और अन्य तकनीकी ब्यौरों/प्रारम्भिक कार्यों को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। इनको अन्तिम रूप दिये जाने के बाद, निष्पादन के लिए कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

आगरा-बम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर इन्दौर के पास उपमार्ग

1170. **श्री राधा किशन मालवीय :** क्या जल भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आगरा-बम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर इन्दौर शहर के बाहर मांगलिया से राऊ तक बनाए जाने वाले प्रस्तावित बाई-पास सड़क की लम्बाई कितनी है और इस प्रयोजन के लिये कितनी धन-राशि स्वीकृत की गयी है ;

(ख) क्या इस संबंध में पहले एक सर्वेक्षण करने के पश्चात् इस मार्ग पर कोई सीमांकन कर दिया गया था;

(ग) क्या यह भी सच है कि पहले किये गये सीमांकन को बदलने के लिये एक नया सर्वेक्षण किया जा रहा है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) इन्दौर के समीप प्रस्तावित बाई पास की लम्बाई 31.60 कि० मी० है सर्वेक्षण और जांच पड़ताल के लिए 4.03 लाख रुपए की राशि और भूमि अधिग्रहण के लिए 2.45 करोड़ रुपए की राशि के प्राक्कलनों को संस्वीकृति दे दी गई है।

(ख) से (घ) जी, नहीं।

मध्य प्रदेश में रेलवे लाईन की लम्बाई

1171. **श्री राधाकिशन मालवीय :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अन्य राज्यों की तुलना में मध्य प्रदेश में प्रति 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रेलवे लाइन की लम्बाई कम है;

(ख) यदि हां, तो स्थिति में सुधार करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है; और

(ग) मध्य प्रदेश के कितने जिलों में रेल सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, क्या केन्द्रीय सरकार इन जिलों में रेल सेवाएं बढ़ाने के लिये प्रयास कर रही है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) मध्य प्रदेश में प्रति 100 वर्ग कि० मी० रेल लाइन अखिल भारतीय औसत से कम है।

(ख) नयी रेल लाइन का निर्माण, उद्योग, परिचालन आदि की विशिष्ट परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है।

मध्य प्रदेश में सतना-रीवां और गुना-इटावा नयी लाइन का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। नीमच के निकट कोटा-नीमच नयी लाइन पर भी काम चल रहा है जिसका एक भाग मध्य प्रदेश में पड़ता है।

(ग) दो। तथापि, शिवपुरी जिला गुना-इटावा नयी लाइन परियोजना द्वारा सेवित होगा।

राज्यों की राजधानियों को रेल सेवा से दिल्ली से जोड़ा जाना

1172. श्री राधाकिशन मालवी